

Inhalt

| | |
|---|----|
| Vorwort | 7 |
| Einleitung: die thematische Frage | 9 |
| 1. <i>Der Ausgang von den historischen Interpretationen</i> | 11 |
| 1.1 Aussagen der Pädagogen über „den Lehrer“ | 11 |
| 1.2 Aussagen der Lehrer | 19 |
| 1.3 Aussagen der Administration | 21 |
| 2. <i>Der Ausgang vom dialogischen Verhältnis</i> | 26 |
| 2.1 Der Philosoph | 26 |
| 2.2 Der weise Lehrer | 27 |
| 2.3 Der christliche Lehrer | 28 |
| 2.4 Die Disputatio | 30 |
| 2.5 Die Gesprächsbücher | 31 |
| 2.6 Das „pädagogische Verhältnis“ | 33 |
| 3. <i>Die Präventiv-Theorie</i> | 35 |
| 4. <i>Das Abhängigkeitsgefüge des Lehrerberufs</i> | 37 |
| 4.1 Die sozio-logischen Untersuchungen | 38 |
| 4.2 Die sozio-pädagogischen Verhältnisse | 42 |
| 4.2.1 Die Kollegialität | 42 |
| 4.2.2 Die Vorbildung | 44 |
| 4.2.3 Das „Obsoletwerden der Bildung“ | 46 |
| 4.2.4 Die Lehrplanbestimmungen | 47 |
| 4.2.5 Die Konfessionalität | 49 |
| 4.2.6 Die Abhängigkeit des Lehrers vom Schüler | 54 |
| 4.2.7 Das Lehrer-Eltern-Verhältnis | 55 |
| 4.2.8 Die „Wirksamkeit“ des Lehrers | 57 |

| | | |
|-------|--|----|
| 5. | <i>Die „Professionalisierung“</i> | 60 |
| 5.1 | Die berufliche Tätigkeit | 60 |
| 5.2 | Das Berufsethos | 61 |
| 5.3 | Der „gute Lehrer“ | 63 |
| 6. | <i>Der konstitutive Interpretationshorizont: Kategorien und Antinomien</i> | 67 |
| 7. | <i>Die Aufgaben des Lehrers</i> | 72 |
| 7.1 | Die Indienststellungen des Lehrers | 72 |
| 7.2 | Die Analogisierungen | 73 |
| 7.3 | Der Lehrer als Mittler sachlicher Einsicht um der Wahrheit willen | 75 |
| 7.3.1 | Begründung und Rechtfertigung der These | 75 |
| 7.3.2 | Das Problem der Lehrbarkeit | 78 |
| 7.3.3 | Partizipation und Emanzipation | 79 |
| 7.3.4 | Offenlegung und Freigabe | 81 |
| 7.3.5 | Der Lehrer heute | 84 |
| 7.4 | Einwände | 86 |
| 8. | <i>„Verkehrungen“</i> | 93 |
| | Anmerkungen | 99 |